

युवा कवयित्री डॉ. पार्वती तरिकी को मिला 'प्रलेक नवलेखन सम्मान'

चर्चा में क्यों?

26 अप्रैल, 2023 को मीडिया से मली जानकारी के अनुसार प्रलेक न्यास द्वारा वर्ष 2023 का 'प्रलेक नवलेखन सम्मान' सर्वसम्मत से युवा कवयित्री डॉ. पार्वती तरिकी को दिये जाने की घोषणा की गई है।

प्रमुख बंदि

- जानकारी के अनुसार प्रलेक नवलेखन सम्मान पार्वती तरिकी के प्रथम काव्य संग्रह 'फिर उगना' के लिये दिये जा रहा है।
- पार्वती तरिकी ने सम्मान मिलने के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा कि यह उनके जीवन का पहला सम्मान है। उनका पहला काव्य संग्रह आदवासी जीवन, संस्कृति, लोककथाओं और लोक जीवन से जुड़ा है।
- सम्मान दिये जाने की सूचना के साथ ही न्यास की ओर से यह भी कहा गया है कि पार्वती तरिकी की कविताएँ समाज का यथार्थ तो बताती ही हैं साथ-ही-साथ भवषिय की संभावनाओं को भी दर्शाती हैं।
- 29 साल की डॉ. पार्वती तरिकी मूलतः झारखंड के गुमला ज़िले की रहने वाली हैं। वे वर्तमान में राँची के राम लखन सहि यादव कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं।



The image shows a golden award certificate for Dr. Parvati Tirkey. The certificate is framed by a laurel wreath and features the text: 'प्रलेक नव लेखन सम्मान YEAR - 2023'. Below the award, there is a circular portrait of Dr. Parvati Tirkey, a young woman with dark hair, smiling. To the right of the portrait, the text reads: 'युवा कवयित्री पार्वती तिकी को उनके प्रथम काव्य संग्रह 'फिर उगना' के लिए प्रलेक नव लेखन सम्मान से सम्मानित किए जाने पर प्रलेक प्रकाशन समूह की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ!' The certificate also includes the logos of 'प्रलेक प्रकाशन IN ASSOCIATION WITH JVP GROUP' and 'प्रलेक न्यास द्वारा'.